OPEC+ द्वारा अतिरिक्त उत्पादन कटौती की घोषणा

प्रिलिम्स के लिये:

OPEC+, OPEC

मेन्स के लिये:

OPEC+ द्वारा तेल उत्पादन में कटौती और इसका प्रभाव

चर्चा में क्यों?

पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (**Organization of the Petroleum Exporting Countries- OPEC/ओपेक**) और उसके सहयोगियों, जिन्हें सामूहिक रूप से **OPEC+** के रूप में जाना जाता है, ने बाज़ार में स्थिरता का समर्थन करने हेतु अपने तेल उत्पादन में **1.16 मिलियन बैरल प्रतिदिन (Barrels Per Day- BPD) की कमी की घोषणा की है।**

तेल उत्पादन में स्वैच्छिक कटौती की पृष्ठभूमि:

- पृष्ठभूमि:
  - रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद तेल की कीमतें अत्यधिक बढ़ गई हैं और वैश्विक बैंकिंग संकट की चिंताओं के कारण मार्च 2023 में **70 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल** की गिरावट के साथ कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा है, जिससे मांग प्रभावित हो सकती है।
- **शामिल देश:**
  - अभी तक **सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान, अल्जीरिया, कज़ाखस्तान, रूस और गैबॉन** ने स्वैच्छिक तेल उत्पादन कटौती की घोषणा की है।
  - कुछ OPEC+ सदस्य पहले से ही **उत्पादन क्षमता की कमी के परिणामस्वरूप** सहमत मात्रा से काफी कम निकासी कर रहे हैं, इस कारण वे सभी सदस्य **स्वैच्छिक कटौती में भाग नहीं ले रहे हैं।**

तेल उत्पादन में स्वैच्छिक कटौती के प्रमुख संभावित प्रभाव:

- **अमेरिका पर प्रभाव:** यह कदम अमेरिका के लिये काफी हानिकारक होने की संभावना है क्योंकि **अमेरिका निरंतर ही इस संगठन से तेल उत्पादन में वृद्धि करने की मांग करता रहा है।**
- **गैर-ओपेक देशों पर प्रभाव:** उत्पादन में कटौती का तेल के निर्यात पर निर्भर रहने वाले गैर-ओपेक देशों पर प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि उन्हें **बाज़ार में बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना पड़ सकता है।**
- **भारत पर प्रभाव:** भारत अपनी कच्चे तेल की ज़रूरतों का लगभग 85% हिस्सा आयात करता है, **उत्पादन घटने के कारण कीमतों में वृद्धि के परिणामस्वरूप तेल आयात बिल में वृद्धि देखने को मिल सकती है।**
  - आयात बिलों में वृद्धि से न केवल **मुद्रास्फीति**, चालू खाता घाटा और राजकोषीय घाटे में वृद्धि होगी बल्कि डॉलर के मुकाबले रुपया कमज़ोर होने के साथ शेयर बाज़ार भी काफी प्रभावित हो सकता है।
  - निवेश सूचना एवं क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (ICRA) के अनुसार, कच्चे तेल की कीमत में प्रत्येक 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि पर **चालू खाता घाटा 14 से 15 अरब डॉलर या GDP के 0.4 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।**

पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन प्लस (OPEC+):

- **OPEC:** वर्ष 1960 में **ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब** और **वेनेज़ुएला** जैसे संस्थापक सदस्यों द्वारा स्थापित ओपेक का वर्तमान में विस्तार हुआ है तथा अब **13 देश** इसके **सदस्य** हैं।
  - **ये सदस्य देश हैं: अल्जीरिया, अंगोला, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, वेनेज़ुएला।**

        - **मुख्यालय: वियना, ऑस्ट्रिया।**
    - OPEC विश्व के **कच्चे तेल का लगभग 40% उत्पादन करता है** और इसके सदस्यों का **निर्यात वैश्विक पेट्रोलियम व्यापार का लगभग 60%** है।
- **OPEC+: वर्ष 2016 में अन्य 10 संबद्ध प्रमुख तेल उत्पादक** देशों को शामिल करने के साथ **OPEC को OPEC+ के रूप में जाना जाता है।**
    - OPEC+ देशों में 13 ओपेक सदस्य देश तथा **अज़रबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कज़ाखस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, रूस, दक्षिण सूडान और सूडान** शामिल हैं।
- **उद्देश्य**:
    - इस संगठन का उद्देश्य "अपने **सदस्य देशों की पेट्रोलियम नीतियों का समन्वय और एकीकरण करना** है तथा उपभोक्ताओं को पेट्रोलियम की कुशल, आर्थिक एवं नियमित आपूर्ति, **उत्पादकों को स्थिर आय और पेट्रोलियम उद्योग में निवेश करने वालों के लिये पूंजी पर उचित रिटर्न सुनिश्चित करने हेतु तेल बाज़ारों का स्थिरीकरण** सुनिश्चित करना है।

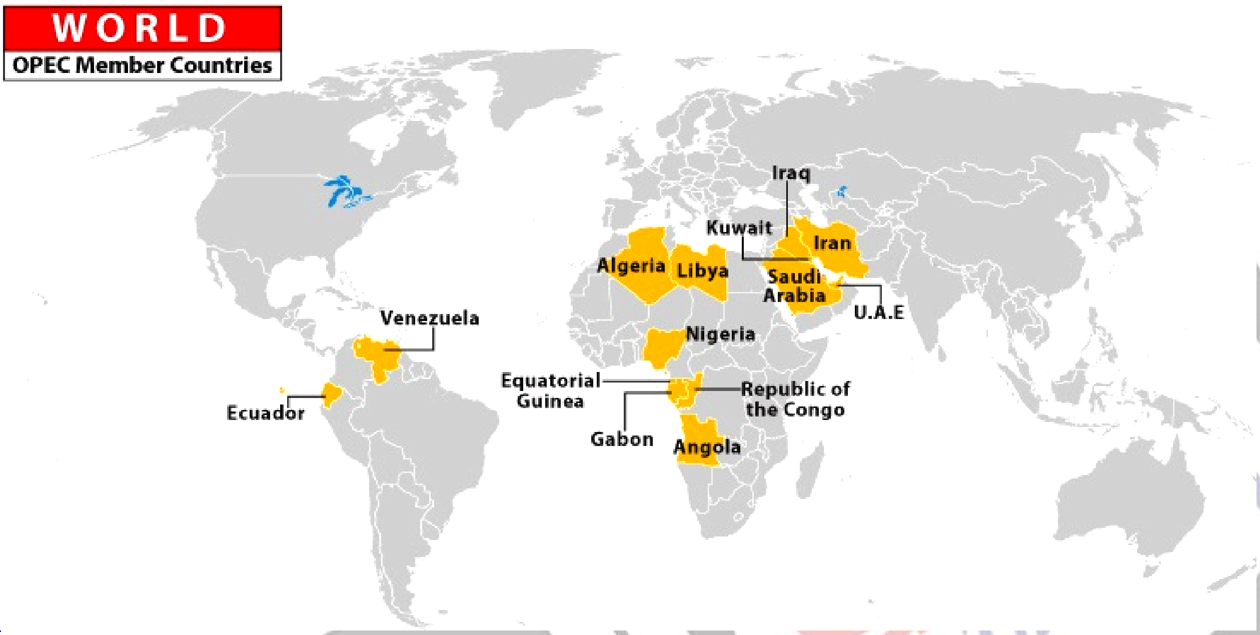

//

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/opec-announces-additional-production-cuts